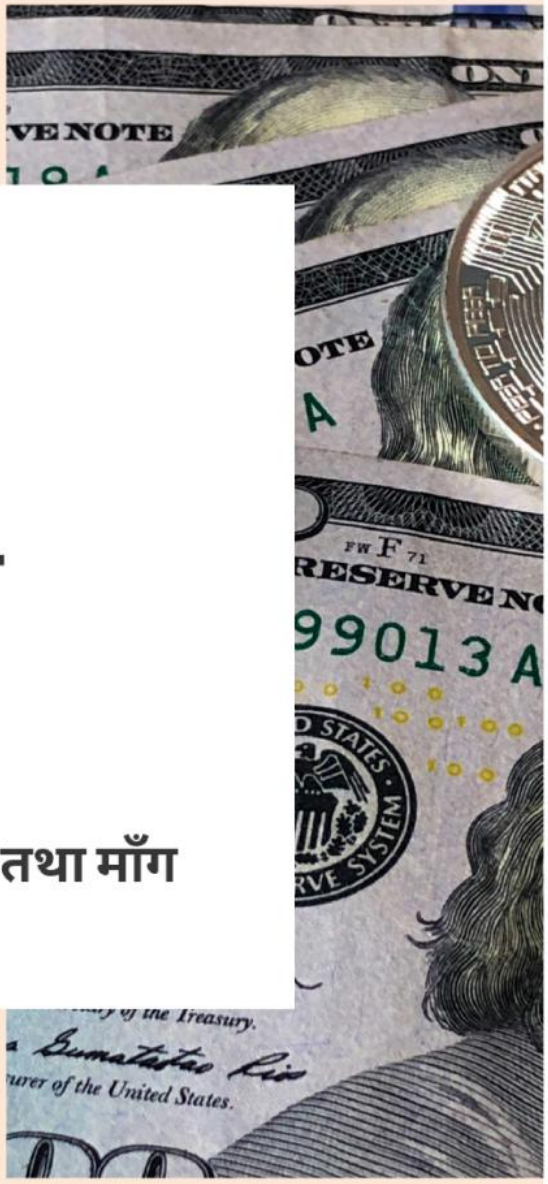
aglasem.com

कक्षा ११ अर्थशास्त्र नोट्स

उपभोक्ता व्यवहार तथा माँग



Key Notes and Important Questions with Answers

इकाई-II

उपभोक्ता का व्यवहार और माँग

स्मरणीय बिन्दु

- **उपभोक्ता :** वह आर्थिक एजेंट है जो अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु अंतिम वस्तुओं व सेवाओं का उपभोग करता है।
- **उपयोगिता:** किसी वस्तु का वह गुण, जो किसी मानवीय आवश्यकता को संतुष्ट करता है, उपयोगिता कहलाती है।
- **कुल उपयोगिता :** एक निश्चित समय में वस्तु की सभी इकाइयों का उपयोग करने पर प्राप्त संतुष्टि का योग कुल उपयोगिता कहलाता है।
- **सीमांत उपयोगिता :** वस्तु की एक अतिरिक्त इकाई का उपभोग करने पर कुल उपयोगिता में होने वाली निवल वृद्धि को सीमांत उपयोगिता कहते हैं।
- **ह्रासमान सीमांत उपयोगिता नियम :** किसी वस्तु की इकाइयों का उत्तरोत्तर उपभोग करने पर प्रत्येक अगली इकाई से प्राप्त होन वाली सीमांत उपयोगिता क्रमश: घटती चली जाती है।
- **उपभोक्ता बंडल :** उपभोक्ता बंडल दो वस्तुओं की मात्राओं का ऐसा संयोजन अथवा समूह है जिन्हें उपभोक्ता वस्तुओं की कीमत तथा अपनी दी हुई आय के आधार पर खरीद सकता है।
- **उपभोक्ता बजट :** उपभोक्ता का बजट उसकी वास्तविक आय या क्रय शक्ति को बताता है जिसके द्वारा वह दी हुई कीमत वाली वस्तुओं की निश्चित मात्रा खरीद सकता है।
- **बजट सेट :** यह उपभोक्ता के समस्त संयोजनों का या बंडलों का सेट है, जो वह अपनी मौद्रिक आय के अन्तर्गत प्रचलित कीमतों पर खरीद सकता है।
  बजट सेट का समीकरण:– $M \geq Px \cdot X + Py \cdot Y$
- **बजट रेखा :** वह रेखा, जो दो वस्तुओं के उन विभिन्न संयोजनों को दर्शाती है जिसे उपभोक्ता अपनी समस्त आय का व्यय करके वस्तुओं की दी गई कीमत पर खरीद सकता है।

- **बजट रेखा का समीकरण** : $M = Px \cdot X + Py \cdot Y$
- **सीमांत प्रतिस्थापन दर :** वह दर जिस पर उपभोक्ता वस्तु x की अतिरिक्त इकाई प्राप्त करने के लिए वस्तु y की मात्रा त्यागने के लिए तैयार है।

  सीमान्त प्रतिस्थापन दर $= \frac{\Delta Y}{\Delta X}$ या $\frac{\text{Y वस्तु की हानि}}{\text{X वस्तु का लाभ}}$
- **अनधिमान वक्र :** अनधिमान वक्र दो वस्तुओं के उन विभिन्न संयोगों को दर्शाता है, जो उपभोक्ता को समान स्तर की उपयोगिता अथवा संतुष्टि प्रदान करता है।
- **अनधिमान मानचित्र :** अनधिमान वक्रों के समूह को अनधिमान मानचित्र कहते हैं।
- **अनधिमान वक्रों की विशेषताएँ :**

  1. **अनधिमान वक्र ऋणात्मक ढलान वाले होते हैं**–क्योंकि एक वस्तु की इकाईयों की अधिक मात्रा का उपभोग बढाने के लिए यह आवश्यक है कि दूसरी वस्तु की इकाइयों का त्याग किया जाए ताकि संतुष्टि स्तर समान रहे।
  2. **अनधिमान वक्र मूल बिन्दु की ओर उन्नतोदर होता है**–क्योंकि सीमान्त प्रतिस्थापन की दर घटती हुई होती है अर्थात उपभोक्ता एक वस्तु की अधिक मात्रा का उपभोग बढ़ाने के लिए दूसरी वस्तु की इकाईयों का त्याग घटती दर पर करने के लिए तैयार होता है।
  3. **अनधिमान वक्र न तो कभी एक-दूसरे को छूते हैं और न ही काटते हैं**– क्योंकि दो अनधिमान वक्र संतुष्टि के दो अलग-अलग स्तरों को प्रदर्शित करते है। यदि ये एक दूसरे को काटे तो कटाव बिन्दु पर संतुष्टि का स्तर समान होगा जो कि सम्भव नहीं है।
  4. **ऊँचा अनधिमान वक्र संतुष्टि के ऊँचे स्तर को प्रकट करता है**–यह एक दिष्ट अधिमान के कारण होता है। उच्च अनधिमान वक्र दो वस्तुओं के उन बंडलों को दिखाता है जिस पर निम्न अनधिमान वक्र की तुलना में एक वस्तु की मात्रा अधिक है तथा दूसरी की कम नहीं है।
- **एक दिष्ट अधिमान :** उपभोक्ता का अधिमान एकदिष्ट है यदि उपभोक्ता दो बंडलों के मध्य उस बंडल को प्राथमिकता देता है, जिसमें दूसरे बंडल की

तुलना में कम से कम एक वस्तु की अधिक मात्रा होती है और दूसरे वस्तु की मात्रा कम नहीं होती है।

❑ **बजट रेखा में परिवर्तन :**

बजट रेखा में खिसकाव (दायें तथा बायें) उपभोक्ता की आय में परिवर्तन तथा वस्तुओं के मूल्य में परिवर्तन के कारण होता है।

❑ **उपभोक्ता संतुलन :** एक ऐसी स्थिति जहाँ उपभोक्ता अपनी आय को इस प्रकार व्यय करता है कि उसे अधिकतम संतुष्टि प्राप्त हो।

❑ **उपभोक्ता संतुलन की शर्तें :**

1. **उपयोगिता विश्लेषण (उपयोगिता की गणनावाचक अवधारणा) :** इस अवधारणा के अनुसार, उपयोगिता की गणना 'यूटिलस' में की जा सकती है। 'यूटिलस्' को उपयोगिता की इकाइयाँ कहते हैं।

शर्तें : (a) एक वस्तु की स्थिति में –

$$MUm = \frac{MUx}{Px}\left[\text{अगर } MUm = 1, \text{ तो } MUx = Px\right]$$

यहाँ MUm = मुद्रा की सीमांत उपयोगिता

MUx = वस्तु x की सीमांत उपयोगिता

Px = वस्तु x का मूल्य

(b) दो वस्तु की स्थिति में- (i) $\frac{MUx}{Px} = \frac{MUy}{Py} = MUm$

वस्तु की सीमांत उपयोगिता निरंतर गिर रही हो।

2. **अनधिमान वक्र विश्लेषण (उपयोगिता की क्रमवाचक अवधारणा) :** इस अवधारणा के अनुसार उपयोगिता की गणना नहीं की जा सकती, परन्तु उसे क्रम के रूप में प्रदर्शित कर सकते हैं

शर्तें :

(i) $MRSxy = \frac{Px}{Py}\begin{bmatrix} Px = \text{वस्तु x का मूल्य} \\ Py = \text{वस्तु y का मूल्य} \end{bmatrix}$

(ii) MRS गिरती हुई हो या तटस्थता वक्र मूल बिन्दु पर उन्नतोदर होना चाहिए।

❑ **माँग मात्रा :** वस्तु की वह मात्रा जिसे उपभोक्ता किसी निश्चित कीमत एवं निश्चित समय पर खरीदता है या खरीदने के लिए तैयार होता है।

- **बाजार माँग :** कीमत के एक निश्चित स्तर पर किसी बाजार में सभी उपभोक्ताओं द्वारा वस्तु की खरीदी गई मात्राओं का योग 'बाजार मांग' कहलाता है।

- **माँग फलन :** यह किसी वस्तु की माँग तथा उसे प्रभावित करने वाले कारकों के मध्य फलनात्मक सम्बन्ध को बताता है।

  $D = f(Px, Pr, Y, T, E, N, Yd)$.

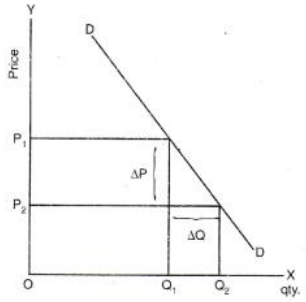
- **माँग का नियम :** यह बताता है कि यदि अन्य बातें समान हों तो किसी वस्तु की कीमत में वृद्धि होने से उसकी माँग मात्रा घटती है और उस वस्तु की कीमत में कमी होने से उसकी माँग मात्रा बढ़ती है अर्थात् कीमत तथा माँग मात्रा में ऋणात्मक संबंध होता है।

- **माँग अनुसूची :** माँग अनुसूची वह तालिका है जो विभिन्न कीमत स्तरों पर एक वस्तु की माँग मात्राओं को दर्शाती है।

- **माँग वक्र :** माँग तालिका (अनुसूची) का रेखाचित्रीय प्रस्तुतीकरण माँग वक्र कहलाता है। अर्थात माँग वक्र कीमत के विभिन्न स्तरों पर माँग मात्राओं को दर्शाने वाला वक्र है। यह ऋणात्मक ढाल का होता है जो वस्तु की कीमत और उसकी माँग मात्रा में विपरीत सम्बन्ध को बताता है।

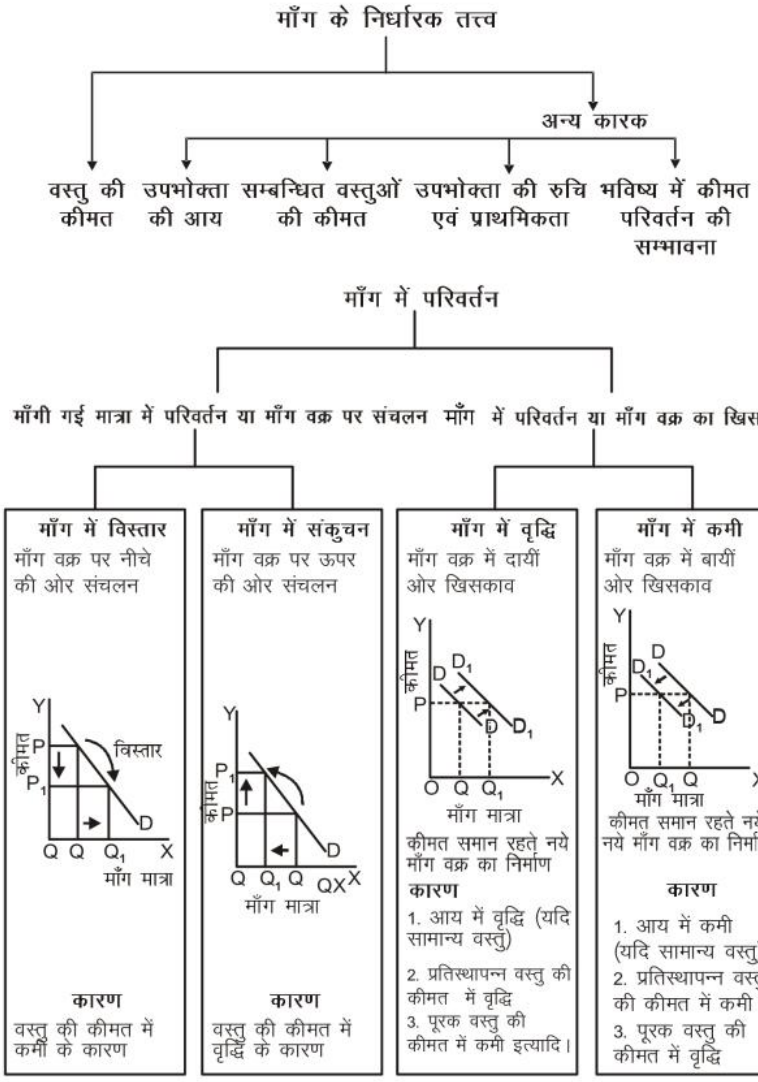
- **माँग वक्र एवं उसका ढ़ाल :** माँग वक्र का ढाल

$$= \frac{\text{कीमत में परिवर्तन}}{\text{माँगी गई मात्रा में परिवर्तन}}$$



माँग वक्र का ढ़ाल $= \frac{\Delta P}{\Delta Q}$

- **माँग में परिवर्तन :** कीमत के समान रहने पर किसी अन्य कारक में परिवर्तन होने से जब वस्तु की माँग घट या बढ़ जाती है।
- **माँग मात्रा में परिवर्तन :** वस्तु की अपनी कीमत में परिवर्तन के कारण वस्तु की माँग में परिवर्तन जबकि अन्य कारक समान रहें।



❑ **माँग की कीमत लोच :** माँग की कीमत लोच, कीमत में होने वाले प्रतिशत परिवर्तन के फलस्वरूप माँग की मात्रा में होने वाले प्रतिक्रियात्मक प्रतिशत परिवर्तन को संख्यात्मक रूप में मापती हैं।

प्रतिशत या आनुपातिक विधि :

$$Ed. = (-)\frac{\Delta Q}{\Delta P} \times \frac{P}{Q} \text{ अथवा } E_d = (-)\frac{Q_1 - Q_0}{P_1 - P_0} \times \frac{P_0}{Q_0}$$

जहाँ पर P_0 = प्रारम्भिक कीमत

Q_0 = प्रारम्भिक मात्रा

P_1 = अंतिम कीमत

Q_1 = अंतिम मात्रा

ΔQ = माँग में परिवर्तन

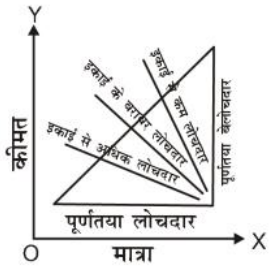
ΔP = कीमत में परिवर्तन

Ed = माँग की कीमत लोच

अथवा $Ed = \frac{\text{माँग में प्रतिशत परिवर्तन}}{\text{कीमत में प्रतिशत परिवर्तन}}$

माँग में % परिवर्तन $= \frac{\Delta Q}{Q_O} \times 100$

कीमत में % परिवर्तन $= \frac{\Delta P}{P_O} \times 100$



❑ **माँग की कीमत लोच को प्रभावित करने वाले कारक -**

(क) वस्तु की प्रकृति

(ख) उपभोक्ता की आय

(ग) निकटतम स्थानापन्न वस्तुओं की उपलब्धता

(घ) उपभोग के स्थगन की सम्भावना

(ङ) वस्तु पर व्यय होने वाला आय का भाग

(च) वस्तु के विविध प्रयोग

बहु विकल्पीय प्रश्न : 1 अंक

1. **एक वस्तु की कुल उपयोगिता अधिकतम होती है जब**

(a) वस्तु का उपयोग अधिकतम होता है।

(b) सीमांत उपयोगिता अधिकतम होती है।

(c) औसत उपयोगिता अधिकतम होती है

(d) सीमांत उपयोगिता शून्य होती है।

2. **एक वस्तु की सीमांत उपयोगिता–**

(a) मात्रा में वृद्धि होने पर सदैव घटती है

(b) केवल कुल उपयोगिता के घटने पर घटती है।

(c) घटती है किन्तु सदैव धनात्मक रहती है।

(d) पहले बढ़ती है तथा उच्चतम बिन्दु पर पहुँचने के पश्चात् घटती है।

3. एक उपभोक्ता को अधिकतम संतुष्टि प्राप्त होती है जब

(a) वस्तु की कीमत निम्नतम हो

(b) कुल उपयोगिता अधिकतम हो

(c) कुल उपयोगिता मुद्रा के रूप मे त्यागी गई उपयोगिता के समान है।

(d) वस्तु की अंतिम इकाई से मिलने वाली उपयोगिता, मुद्रा के रूप में त्यागी गई उपयोगिता के समान है।

4. एक उपभोक्ता दो वस्तुओं का उपभोग करता है। उपभोक्ता संतुलन की अवस्था में होगा, जब

(a) दो वस्तुओं की सीमांत उपयोगिता समान है।

(b) दो वस्तुओं की कुल उपयोगिता समान है।

(c) दो वस्तुओं की कीमत समान है।

(d) प्रति रुपया सीमांत उपयोगिता समान है।

5. जब सीमांत उपयोगिता ऋणात्मक है, तब

(a) कुल उपयोगिता घटती दर से बढ़ती है।

(b) कुल उपयोगिता घटती है।

(c) कुल उपयोगिता शून्य होती है।

(d) कुल उपयोगिता ऋणात्मक होती है।

6. यदि एक वस्तु की कीमत शून्य है, तो उपभोक्ता उपभोग करेगा।

(a) वस्तु की असीमित मात्रा का

(b) जब तक सीमांत उपयोगिता अधिकतम होगी।

(c) जब तक सीमान्त उपयोगिता शून्य न हो जाए।

(d) जब तक कुल उपयोगिता शून्य हो जाए।

7. एक वस्तु की स्थिति में, निम्न में से कौन सी शर्त्त उपभोक्ता संतुलन के लिए अनिवार्य है?

(a) $\frac{MU_m}{MU_x} = P_x$ (b) $MU_x = MU_m \times P_X$

(c) $\frac{P_X}{MU_x} = MU_m$ (d) $\frac{MU_m}{P_x} = MU_x$

8. उपभोक्ता संतुलन के सिद्धान्त के अनुसार एक उपभोक्ता, उपभोक्ता संतुलन पर पहुँचने के लिए कर सकता है–

(a) वस्तु की कीमत में कमी (b) उपभोक्ता की आय में वृद्धि

(c) वस्तु की मात्रा में परिवर्तन (d) दोनों वस्तुओं के उपभोग में वृद्धि

9. एक उपभोक्ता के असंतुलन की स्थिति $\frac{MU_x}{P_x} > \frac{MU_y}{P_y}$ पैदा होती है

(a) X वस्तु के उपभोग में वृद्धि के कारण

(b) Y वस्तु की कीमत में कमी के कारण

(c) X वस्तु की कीमत में वृद्धि के कारण

(d) Y वस्तु की कीमत में वृद्धि के कारण

10. दो वस्तुओं के उपभोग की स्थिति में उपभोक्ता संतुलन होगा, जब :

(a) $\frac{P_x}{MU_X} = \frac{P_y}{MU_y} = MU_M$ (b) $\frac{MU_x}{P_x} = \frac{MU_y}{P_y} = MU_M$

(c) $\frac{MU_x}{P_x} = \frac{MU_y}{P_y} = MRS_{xy}$ (d) $MU_M = \frac{MU_x}{P_x}$

11. एक उपभोक्ता के बजट सेट की संख्या होती है:

(a) असीमित, लेकिन बजट रेखा के भीतर।

(b) सीमित, उपभोक्ता की आय पर निर्भर।

(c) सीमित, वस्तु की कीमत पर निर्भर

(d) सीमित, वस्तु की कीमत तथा उपभोक्ता की आय पर निर्भर

12. निम्न में से कौन सी अनधिमान वक्र की विशेषता नहीं है:

(a) अनधिमान वक्र मूल बिन्दू की ओर उन्नतोदर होता है।

(b) उच्च तटस्थता वक्र संतुष्टि के उच्च स्तर को दर्शाता है।

(c) अनधिमान वक्र एक दूसरे को नहीं काटते है।

(d) अनधिमान वक्र मूल बिन्दु की ओर नतोदर होता है।

13. निम्न में से कौन सा वैयक्तिक माँग का निर्धारक नहीं है।

(a) आय का वितरण (b) वस्तु की कीमत

(c) उपभोक्ता की आय (d) फैशन तथा प्राथमिकताऐं।

14. एक उपभोक्ता कीमत के कम होने पर अधिक मात्रा की माँग करता है क्योंकि

(a) कुल उपयोगिता बढती है तथा कीमत से अधिक हो जाती है।

(b) सीमान्त उपयोगिता, कीमत से अधिक हो जाती है।

(c) कीमत के कम होने से मुद्रा की सीमान्त उपयोगिता बढ़ जाती है।

(d) कीमत के कम होने से सीमान्त उपयोगिता भी घटती है।

15. माँग वक्र दाई ओर खिसकता है जब

(a) वस्तु की कीमत में कमी हो

(b) स्थानापन्न वस्तु की कीमत में कमी हो

(c) पूरक वस्तु की कीमत में वृद्धि हो

(d) क्रेताओ की संख्या में वृद्धि हो।

16. एक वस्तु की माँग की कीमत लोच (−2.5) है। वस्तु की कीमत में 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। माँग की मात्रा में क्या परिवर्तन होगा?

(a) 50 इकाइयों की कमी होगी (b) 50 इकाइयों की वृद्धि होगी।

(c) 8 प्रतिशत की कमी होगी (d) 50 प्रतिशत की कमी होगी।

17. एक उपभोक्ता का एक दिष्ट अधिमान है। वह किस बण्डल (संयोग) को सबसे अधिक प्राथमिकता देगा।

(a) X वस्तु की 4 इकाइयाँ तथा Y वस्तु की 6 इकाइयाँ

(b) X वस्तु की 6 इकाइयाँ तथा Y वस्तु की 5 इकाइयाँ

(c) X वस्तु की 5 इकाइयाँ तथा Y वस्तु की 6 इकाइयाँ

(d) X वस्तु की 4 इकाइयाँ तथा Y वस्तु की 5 इकाइयाँ

18. एक उपभोक्ता के अनधिमान वक्रो की अधिकतम संख्या क्या है?

(a) अनधिमान वक्रो की असीमित संख्या।

(b) उपभोक्ता के अधिकतम संतुष्टि स्तर तक।

(c) उपभोक्ता की बजट रेखा पर निर्भर है।

(d) उपभोक्ता के विभिन्न बजट सेट के बराबर

19. माँग वक्र का ढाल शून्य है, माँग की लोच है:

(a) माँग की लोच शून्य है (b) माँग की लोच बेलोचदार है।

(c) माँग की लोच अनन्त है (d) माँग की लोच लोचदार है।

20. निम्न में से कौन सा माँग की लोच निर्धारिक कारक नहीं है

(a) वस्तु की प्रकृति (b) वस्तु के उपयोगो की संख्या

(c) स्थानापन्न वस्तुओ की उपलब्धता

(d) वस्तु की माँगी गई मात्रा

उत्तर

1. (d); **2.** (a); **3.** (d); **4.** (d); **5.** (b); **6.** (c); **7.** (b); **8.** (c); **9.** (d); **10.** (b); **11.** (d); **12.** (d); **13.** (a); **14.** (b); **15.** (d); **16.** (d); **17.** (c); **18.** (a); **19.** (c); 20 (d)

लघु उत्तर वाले प्रश्न (3-4 अंक)

1. तालिका की सहायता से कुल उपयोगिता एवं सीमांत उपयोगिता में संबंध बताइये?

2. एक वस्तु की स्थिति में उपयोगिता अवधारणा की सहायता से उपभोक्ता संतुलन की व्याख्या कीजिए।

3. कुल उपयोगिता में क्या परिवर्तन होगा जबकि-

   (a) सीमांत उपयोगिता वक्र x-अक्ष के ऊपर स्थित हो।

   (b) सीमांत उपयोगिता वक्र x-अक्ष को स्पर्श कर रहा हो।

   (c) सीमांत उपयोगिता वक्र X-अक्ष के नीचे स्थित हो।

4. अनधिमान वक्र की तीन विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

5. उपयोगिता विश्लेषण की सहायता से दिखाइए कि एक वस्तु की माँग और उसकी कीमत में विपरीत सम्बन्ध होता है। समझाइए।

6. एक वस्तु X की माँग पर क्या प्रभाव पड़ेगा यदि संबंधित वस्तु की कीमत में वृद्धि हो जाए?

7. उपभोक्ता की आय बढ़ने पर सामान्य वस्तु की माँग क्यों बढ़ती है?

8. माँग की लोच को प्रभावित करने वाले निम्न कारकों की व्याख्या कीजिए।

   (क) वस्तु की प्रकृति

   (ख) प्रतिस्थापन वस्तुओं की उपलब्धि

   (ग) उपभोग का स्थगन

9. एक रेखाचित्र की सहायता से मांग में विस्तार और माँग में वृद्धि में अन्तर स्पष्ट कीजिए?

10. बजट सेट तथा बजट रेखा के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए।

11. माँग में परिवर्तन तथा मांगी गई मात्रा में परिवर्तन के बीच अन्तर स्पष्ट कीजिए।

12. माँग की लोच पर निम्न कारकों का क्या प्रभाव होता है?

   (क) क्रेता की आय के स्तर

   (ख) उपभोक्ता का व्यवहार

13. माँग वक्र का ढ़ाल निम्न स्थितियों में कैसा होगा-

   (क) पूर्णतया लोचदार माँग

   (ख) पूर्णतया बेलोचदार माँग

   (ग) इकाई के बराबर लोचदार माँग

14. माँग वक्र में दाई ओर खिसकाव (माँग में वृद्धि) के प्रमुख कारक लिखकर किसी एक की व्याख्या कीजिए।

15. मांग में कमी (मांग वक्र में बाई ओर खिसकाव) के प्रमुख कारक लिखकर किसी एक की व्याख्या कीजिए।

उच्च स्तरीय बुद्धि कौशल H.O.T.S.

17. रुपये 7 प्रति इकाई पर एक उपभोक्ता वस्तु की 12 इकाई खरीदता है जब कीमत गिरकर रुपये 6 प्रति इकाई हो जाती है वह वस्तु पर रुपये 72 व्यय करता है। प्रतिशत विधि द्वारा कीमत मांग लोच ज्ञात कीजिए। लोच के इस माप के आधार पर मांग वक्र के सम्भावित आकार पर टिप्पणी कीजिए।

18. एक उपभोक्ता रुपये 5 प्रति इकाई पर वस्तु की 20 इकाईयाँ खरीदता है। जब वह उसी वस्तु की 24 इकाईयाँ खरीदता है तो इस पर कुल व्यय रूपये 120 होता है। प्रतिशत विधि द्वारा कीमत मांग की लोच ज्ञात कीजिए। इस सूचना के आधार पर माँग वक्र के सीमित आकार पर टिप्पणी कीजिए।

19. वस्तु X एवं Y की कीमत लोच आपस में बराबर है। वस्तु X की मूल्य में 20% कमी होने से मांगी गई मात्रा 100 इकाई से बढ़कर 250 इकाई हो जाती है। अगर वस्तु Y के मूल्य में 8% की कमी आती है तो मांगी गई मात्रा में प्रतिशत वृद्धि की गणना करें।

20. निम्नलिखित समीकरणों में रिक्त स्थान भरो–

(i) $MRS = \frac{\Delta Y}{?}$ (ii) $? = \Sigma MU$

(iii) $MU_n = TU_n - ?$ (iv) $e_d = \frac{\Delta Q}{?} \times \frac{P}{Q}$

21. अन्तर स्पष्ट कीजिए –

(i) सामान्य वस्तुएँ और निम्न कोटि वस्तुएँ।

(ii) पूरक वस्तुएँ एवं प्रतिस्थापन वस्तुएँ।

22. जब सीमान्त उपयोगिता वस्तु की कीमत से कम होती है तो उपभोक्ता वस्तु के अधिक उपभोग को बन्द कर देता है। क्यों? कारण समझाइए।

23. एक उपभोक्ता केवल दो वस्तुओं X तथा Y का उपभोग करता है। उपयोगिता विश्लेषण की सहायता से उपभोक्ता संतुलन की शर्तें बताइए और उनकी व्याख्या कीजिए।

25. वे शर्तें समझाइए जिससे यह निर्धारित होता है कि किसी कीमत पर एक उपभोक्ता वस्तु की कितनी इकाई खरीदेगा।

26. सीमांत प्रतिस्थापन दर की परिभाषा दीजिए। समझाइए कि एक अनधिमान वक्र उन्नतोदर (उत्तल) क्यों होता है।

दीर्घ उत्तर वाले प्रश्न (6 अंक)

1. अनधिमान वक्र विश्लेषण की सहायता से उपभोक्ता संतुलन की शर्तें समझाइए। रेखाचित्र द्वारा समझाइए।

2. उपयोगिता अवधारणा की सहायता से दो वस्तुओं के सम्बन्ध में उपभोक्ता के संतुलन की शर्तों की व्याख्या कीजिए।

3. मांग वक्र का ढलान ऋणात्मक क्यों होता है? किन्हीं तीन कारकों की व्याख्या कीजिए।

4. रेखाचित्रों का प्रयोग करते हुए समझाइए कि निम्नलिखित का वस्तु की मांग पर क्या प्रभाव पड़ता है?

   (1) उपभोक्ता की आय में कमी

   (2) सम्बन्धित वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि।

5. अनधिमान वक्र विधि के अन्तर्गत उपभोक्ता के संतुलन की शर्तें क्या हैं? यदि शर्तें पूरी नहीं होती तो संतुलन तक पहुँचने में क्या परिवर्तन होंगे? वर्णन कीजिए।

6. अनधिमान वक्रों की तीन विशेषताएँ समझाइए।

7. कारण सहित लिखिए कि निम्न कथन सही हैं अथवा गलत।

   (क) दो अनधिमान वक्र कभी-भी एक-दूसरे को नहीं काटते।

   (ख) निम्न कोटि वस्तुओं का आय प्रभाव धनात्मक होता है।

(ग) माँगी गई मात्रा में परिवर्तन, मांग के नियम की व्याख्या करता है।

8. निम्न कथन सत्य हैं या असत्य। कारण सहित स्पष्ट कीजिए।

(क) क्रेताओं की संख्या में वृद्धि माँग वक्र को दाईं ओर खिसका देती है।

(ख) बाजार में किसी वस्तु के प्रतिस्थापन की उपस्थिति के कारण उस वस्तु की माँग लोचदार हो जाती है।

(ग) सीमांत प्रतिस्थापन दर बढ़ती हुई होती है जिसके कारण अनधिमान वक्र का ढाल उत्तल होता है।

परीक्षा उपयोगी प्रश्न

1 अंक वाले प्रश्न

प्र. 1. किसी वस्तु को सामान्य वस्तु कब कहा जाता है?

उत्तर. जिस वस्तु का आय प्रभाव धनात्मक हो तथा कीमत प्रभाव ऋणात्मक हो, उसे सामान्य वस्तु कहते हैं।

प्र. 2. किसी वस्तु को निकृष्ट वस्तु कब कहा जाता है?

उत्तर. जिस वस्तु का आय प्रभाव ऋणात्मक हो, उसे निकृष्ट वस्तु कहा जाता है।

प्र. 3. पानी की माँग बेलोचदार क्यों होती है?

उत्तर. क्योंकि पानी एक अनिवार्य वस्तु है।

प्र. 4. बाजार माँग को परिभाषित कीजिए।

उत्तर. बाजार माँग से अभिप्राय किसी वस्तु की उन मात्राओं के योग से जिन्हें बाजार के सभी उपभोक्ता एक निश्चित समयावधि में वस्तु की विभिन्न कीमतों पर खरीदने के इच्छुक हैं, योग्य हैं व तैयार हैं।

प्र. 5. सीमांत प्रतिस्थापन दर (MRS) से क्या अभिप्राय है?

उत्तर. समान संतुष्टी स्तर बनाए रखते हुए, उपभोक्ता एक वस्तु X की एक अतिरिक्त इकाई का उपभोग करने हेतु दूसरी वस्तु Y की जितनी इकाईयों का त्याग करने के लिए तैयार होता है, उसके अनुपात को सीमांत प्रतिस्थापन दर कहते हैं।

प्र. 6. एकदिष्ट अधिमान से क्या अभिप्राय है?

उत्तर. एकदिष्ट अधिमान से अभिप्राय है कि उपभोक्ता दो बंडलों के मध्य उस बंडल को प्राथमिकता देता है, जिसमें दूसरे बंडल की तुलना में कम-से-कम वस्तु की अधिक मात्रा होती है और दूसरी वस्तु की मात्रा कम नहीं होती है।

प्र. 7. बजट रेखा का समीकरण लिखिए।

उत्तर. $M = Px \cdot X + Py \cdot Y$

Q. 8. बजट सेट का समीकरण लिखिए।

Ans. $Px \cdot X + Py \cdot Y \leq M$

3-4 अंक वाले प्रश्न

प्र. 1. माँग में वृद्धि एवं वस्तु की माँग मात्रा में वृद्धि में भेद कीजिए।

उत्तर. किसी वस्तु की कीमत स्थिर रहने पर अन्य कारकों में परिवर्तन के कारण जब माँग बढ़ती है तो उसे माँग में वृद्धि कहते हैं। इसके विपरीत अन्य बातें समान रहने पर जब किसी वस्तु की कीमत में कमी के कारण उसकी माँग बढ़ती है तो उसे माँग मात्रा में वृद्धि कहते हैं।

प्र. 2. एक वस्तु की दी गई कीमत पर एक उपभोक्ता यह निर्णय कैसे लेता है कि वह उस वस्तु की कितनी मात्रा खरीदे?

उत्तर. उपभोक्ता एक वस्तु की इतनी मात्रा खरीदता है जिस पर सीमान्त उपयोगिता कीमत के बराबर हो। जब तक सीमान्त उपयोगिता कीमत से अधिक होती है वह वस्तु को खरीदता रहता है। जैसे-जैसे वह अधिक इकाई खरीदता है सीमान्त उपयोगिता घटती जाती है और एक स्थिति ऐसी आती है जहाँ सीमान्त उपयोगिता कीमत के बराबर हो जाती है। उपभोक्ता इस स्थिति तक ही वस्तु खरीदेगा।

प्र. 3. एक उपभोक्ता केवल दो वस्तुओं x और y का उपभोग करता है। उपयोगिता विश्लेषण की सहायता से उपभोक्ता संतुलन की शर्तें बताइए और उनकी व्याख्या कीजिए।

उत्तर. उपभोक्ता के संतुलन की दो शर्तें हैं :

(1) $\frac{MU_x}{P_x} = \frac{MU_y}{P_y}$ Or $\frac{MU_x}{MU_y} = \frac{P_x}{P_y}$

यदि $\frac{MU_x}{P_x} > \frac{MU_y}{P_y}$ इस स्थिति में उपभोक्ता को y वस्तु के मुकाबले x वस्तु से अधिक प्रति रूपये सीमांत उपयोगिता प्राप्त होती है। अत: वह x को अधिक तथा y को कम खरीदेगा। इससे MU_x में कमी होगी तथा MU_y बढ़ेगा। उपभोक्ता तब तक x को खरीदना जारी रखेगा जब तक $\frac{MU_x}{P_x} = \frac{MU_y}{P_y}$ न हो जाए।

यदि $\frac{MU_x}{P_x} < \frac{MU_y}{P_y}$ इस स्थिति में उपभोक्ता को x वस्तु की अपेक्षा y वस्तु से अधिक प्रति रूपये सीमांत उपयोगिता प्राप्त होती है। अत: वह y को अधिक तथा x को कम खरीदेगा। इससे MU_y में कमी होगी तथा MU_x बढ़ेगा। उपभोक्ता y को तब तक खरीदना जारी रखेगा जब तक $\frac{MU_x}{P_x} = \frac{MU_y}{P_y}$ न हो जाए।

(2) वस्तु की अधिक इकाईयों का उपयोग करने पर उसकी सीमान्त उपयोगिता घटती है। यदि ऐसा न हो तो या तो उपभोक्ता केवल एक ही वस्तु खरीदेगा जो अवास्तविक है या वह कभी सन्तुलन की स्थिति में नहीं पहुँचेगा।

प्र. 4. समझाइए कि किसी वस्तु की माँग उसकी सम्बन्धित वस्तुओं की कीमतों से कैसे प्रभावित होती है। उदाहरण दीजिए।

उत्तर. सम्बन्धित वस्तुएँ दो प्रकार की होती है - (1) प्रतिस्थापन्न वस्तु (2) पूरक वस्तु।

1. **प्रतिस्थापन्न वस्तु :** जब प्रतिस्थापन वस्तु की कीमत घटती है तो वह दी हुई वस्तु की तुलना में सस्ती हो जाती है इसलिए उपभोक्ता इसे दी हुई वस्तु के स्थान पर प्रतिस्थापित करता है इससे दी हुई वस्तु की मांग घटती जाएगी। इसी प्रकार प्रतिस्थापन वस्तु की कीमत बढ़ने से दी हुई वस्तु की माँग बढ़ जाएगी। उदाहरण : चाय और कॉफी आदि।
2. **पूरक वस्तुएँ :** जब पूरक वस्तु की कीमत घटती है तो उसकी माँग बढ़ जाती है और उसके साथ दी हुई वस्तु की माँग भी बढ़ जाती है। इसी प्रकार जब पूरक वस्तु की कीमत बढ़ती है तो साथ दी हुई वस्तु की माँग घट जाती है।

उदाहरण : कार तथा पेट्रोल आदि।

प्र. 5. सामान्य वस्तु और घटिया वस्तु के बीच अन्तर बताइए। प्रत्येक का उदाहरण दीजिए।

उत्तर. **सामान्य वस्तुएँ :** सामान्य वस्तुएँ उन वस्तुओं को कहते हैं जिनकी माँग क्रेताओं की आय के बढ़ने पर बढ़ती है। अत: आय और माँग में धनात्मक सम्बन्ध पाया जाता है अथवा आय प्रभाव धनात्मक होता है।

घटिया वस्तुएँ (निम्नकोटि वस्तुएँ) : घटिया (निम्नकोटि) वस्तुएँ उन वस्तुओं को कहते हैं जिनकी मांग क्रेताओं की आय के बढने पर घटती है अत: आय और मांग में ऋणात्मक सम्बन्ध पाया जाता है।

उदाहरण : मोटा अनाज तथा मोटा कपड़ा

प्र. 6. मांग की कीमत लोच को प्रभावित करने वाले किन्हीं चार कारकों की व्याख्या कीजिए।

उत्तर.

1. **वस्तु की प्रकृति :** अनिवार्य वस्तुएँ, जैसे नमक, जीवन रक्षक दवाएँ आदि की मांग बेलोचदार होती है तथा विलासिता की वस्तुओं की मांग लोचदार होती है।
2. **प्रतिस्थापन्न वस्तुओं की उपलब्धता :** ऐसी वस्तुएँ जिनके निकटतम प्रतिस्थापन्न उपलब्ध होते हैं, उनकी मांग अधिक लोचदार होती है तथा जिन वस्तुओं के प्रतिस्थापन नहीं होते उनकी मांग अपेक्षाकृत बेलोचदार होती है।
3. **उपयोग में विविधता :** जिन वस्तुओं के विभिन्न उपयोग होते हैं उनकी मांग अधिक लोचदार होती है। उदाहरण के लिए बिजली के विभिन्न उपयोग।
4. **उपभोक्ता का व्यवहार :** उपभोक्ताओं को जिन वस्तुओं के उपभोग की आदत पड़ जाती है उनकी माँग बेलोचदार होती है। उदाहरण : शराब, सिगरेट।

Q. 7. कुल उपयोगिता तथा सीमान्त उपयोगिता के बीच सम्बन्ध समझाइए। तालिका का प्रयोग कीजिए।

Ans.

मात्रा (इकाइयाँ)	कुल उपयोगिता (यूटिल्स)	सीमान्त उपयोगिता (यूटिल्स)
0	0	–
1	8	8
2	14	6
3	18	4
4	20	2
5	20	0
6	18	–2

तालिका से स्पष्ट है-

(1) जब तक सीमान्त उपयोगिता धनात्मक और घटती है कुल उपयोगिता बढ़ती है।

(2) जब सीमान्त उपयोगिता शून्य होती है तब कुल उपयोगिता अधिकतम होती है।

(3) जब सीमान्त उपयोगिता ऋणात्मक होती है, तब कुल उपयोगिता घटना शुरु हो जाती है।

प्र. 8. सीमान्त उपयोगिता की परिभाषा दीजिए। ह्रासमान सीमान्त उपयोगिता का नियम बताइए।

उत्तर. **सीमान्त उपयोगिता :** वस्तु की एक अतिरिक्त इकाई के उपभोग से कुल उपयोगिता में जो वृद्धि होती है, उसे सीमान्त उपयोगिता कहते हैं।

ह्रासमान सीमान्त उपयोगिता का नियम : ह्रासमान सीमान्त उपयोगिता का नियम यह बताता है कि उपभोक्ता जैसे-जैसे किसी वस्तु की इकाइयों का निरंतर उपभोग करता है वैसे-वैसे प्रत्येक अगली इकाई से मिलने वाली सीमान्त उपयोगिता घटती जाती है। इस नियम के अनुसार कुल उपयोगिता घटती दर से बढ़ती है तथा सीमान्त उपयोगिता घटती है।

6 अंक वाले प्रश्न

प्र. 1. अनधिमान वक्र की तीन विशेषताएँ समझाइए।

उत्तर. अनधिमान वक्रों की विशेषताएँ निम्नलिखित हैं:

1. **इनका ढलान बाएँ से दाएँ नीचे की ओर होता है** - एक वस्तु की इकाइयों का अधिक उपभोग करने के लिए दूसरी वस्तु की कुछ इकाइयों का त्याग करना पड़ता है ताकि संतुष्टि स्तर वही रहे।
2. **मूल बिन्दु की ओर उत्तल (उन्नतोदर) हाती है** - ह्रासमान सीमान्त उपयोगिता के नियम के कारण सीमान्त प्रतिस्थापन दर निरन्तर घटती है।
3. **ऊँचा अनधिमान वक्र अधिक उपयोगिता दर्शाता है** - ऊँचा अनधिमान वक्र वस्तुओं के बड़े बंडलों को दर्शाता है। इसका अर्थ है अधिक उपयोगिता, एकदिष्ट अधिमान के नियम के कारण।

प्र. 2. अनधिमान वक्र विश्लेषण द्वारा उपभोक्ता सन्तुलन की शर्तें समझाइए। रेखाचित्र का प्रयोग कीजिए।

उत्तर. उपभोक्ता के सन्तुलन की दो शर्तें हैं-

(1) सीमान्त प्रतिस्थापन दर = दोनों वस्तुओं की कीमतों का अनुपात

(MRS = Px/Py)

(2) सीमान्त प्रतिस्थापन दर निरन्तर घटती है।

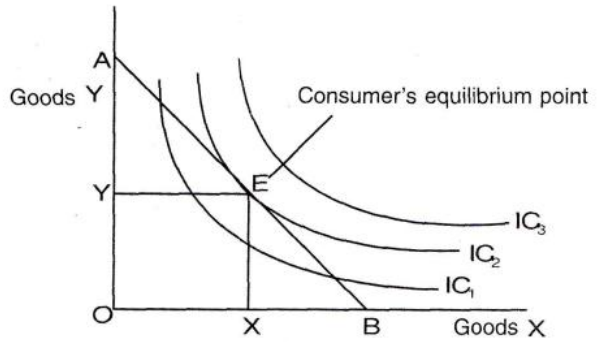
व्याख्या :

(i) मान लीजिए दो वस्तुएँ x तथा y है। उपभोक्ता के सन्तुलन की पहली शर्त है कि $MRS = \frac{Px}{Py}$.

यदि MRS > Px/Py है तो इसका अर्थ है कि उपभोक्ता x वस्तु की बाजार में जो कीमत है उसमें अधिक देने को तैयार हैं अत: वह X की अधिक मात्रा खरीदेगा। इससे MRS घटेगी और ऐसा तब तक होता रहेगा जब तक कि MRS = Px/Py.

यदि $MRS < \frac{Px}{Py}$ है तो इसका अर्थ है कि उपभोक्ता x वस्तु की बाजार में जो कीमत है उससे कम देने को तैयार है अत: वह x की कम मात्रा खरीदेगा। इससे MRS बढ़ेगी और ऐसा तब तक होता रहेगा जब तक कि $MRS = \frac{Px}{Py}$.

(2) सीमान्त प्रतिस्थापन दर निरन्तर घटेगी जब तक कि सन्तुलन की स्थिति स्थापित नहीं हो जाती।



प्र. 3. उपभोक्ता की आय में परिवर्तन होने से वस्तु की माँग पर पड़ने वाले प्रभाव की व्याख्या कीजिए।

उत्तर. उपभोक्ता की आय में परिवर्तन के प्रभाव को दो श्रेणियों में विभाजित करके निम्न प्रकार समझा जा सकता है।

1. **सामान्य वस्तु :** सामान्य वस्तुएँ वे वस्तुएँ होती हैं, जिन पर आय प्रभाव धनात्मक एवं कीमत प्रभाव ऋणात्मक होता है। यदि उपभोक्ता की आय में वृद्धि होती है तो इनकी माँग बढ़ जाती है। इसके विपरीत यदि आय में कमी होती है तो उसकी माँग में कमी हो जाती है।
2. **निम्नकोटि वस्तुएँ :** ये वे वस्तुएँ होती है जिन का आय प्रभाव ऋणात्मक होता है। यदि उपभोक्ता की आय में वृद्धि होती है तो इन वस्तुओं की माँग कम हो जाती है। इसकी विपरीत यदि उपभोक्ता की आय में कमी होती है तो इनकी माँग बढ़ जाती है।

प्र. 4. माँग वक्र का ढलान ऋणात्मक क्यों होता है? कारण बताइये-

उत्तर. माँग वक्र के ऋणात्मक ढ़ाल होने के निम्नलिखित कारण हैं-

ह्रासमान सीमान्त उपयोगिता नियम : इस नियम के अनुसार प्रत्येक अगली इकाई का प्रयोग करने से मिलने वाली सीमान्त उपयोगिता क्रमशः घटती चली जाती है, इसलिए प्रत्येक अगली इकाई को खरीदने के लिए उपभोक्ता कम कीमत देने को तैयार होता है।

प्र. 5. एक उपभोक्ता केवल दो वस्तुओं x और y का उपयोग करता है। दोनों की बाजार कीमत 3 रु प्रति इकाई है। यदि उपभोक्ता इन दो वस्तुओं के ऐसे संयोग का चुनाव करता है। जिसकी सीमान्त प्रतिस्थापन दर 3 है, तो क्या उपभोक्ता

संतुलन में है? कारण दीजिए। ऐसी स्थिति में एक विवेकी उपभोक्ता क्या करेगा? समझाइये।

उत्तर. Given Px = 3, Py = 3 and MRS = 3, एक उपभोक्ता संतुलन में तब कहा जायेगा जब - $MRS = \frac{Px}{Py}$

मूल्यों को प्रतिस्थापत करने पर $3 > \frac{3}{3}$

इसलिए उपभोक्ता संतुलन में नहीं है। $MRS > \frac{Px}{Py}$ का अर्थ है कि उपभोक्ता x वस्तु की एक और इकाई खरीदने के लिए तैयार है-

- उपभोक्ता x वस्तु की अधिक इकाईयाँ खरीदेगा।
- ह्रासमान सीमान्त उपयोगिता नियम के कारण सीमान्त प्रतिस्थापन दर घटेगी।
- और यह प्रक्रिया तब तक जारी रहेगी जब तक $MRS = \frac{Px}{Py}$ न हो जाए और इस प्रकार उपभोक्ता संतुलन में आ जायेगा।

प्र. 6. एक उपभोक्ता दो वस्तुओं x तथा y का उपभोग करता है जिनकी कीमत क्रमशः 4 रु. और 5 रु. प्रति इकाई है। यदि उपभोक्ता दोनों वस्तुओं का ऐसा संयोग चुनता है जिसमें x की सीमान्त उपयोगिता 5 और 4 की सीमान्त उपयोगिता 4 है, तो क्या उपभोक्ता संतुलन में है। कारण दीजिए। ऐसी स्थिति में एक विवेकी उपभोक्ता क्या करेगा? उपयोगिता विश्लेषण का उपयोग कीजिए।

Ans. Given Px = 4, Py = 5 और MUx = 5 तथा MUy = 4, एक उपभोक्ता $\frac{MUx}{Px} = \frac{MUy}{Py}$ होने पर संतुलन में होगा। मूल्यों को प्रतिस्थापित करने पर $\frac{5}{4} > \frac{4}{5}$ or $\frac{MUx}{Px} > \frac{MUy}{Py}$ प्रति इकाई रू. की MUx, प्रति रू. MUy की सीमान्त उपभोगिता से ज्यादा है। इसलिए उपभोक्ता संतुलन में नहीं है।

उपभोक्ता x वस्तु की अधिक तथा y वस्तु की कम इकाईयाँ खरीदेगा। इसलिए MUx कम होगा तथा MUy बढ़ेगा जब तक की $\frac{MUx}{Px}$ तथा $\frac{MUy}{Py}$ बराबर नहीं हो जाता।